प्रेस नोट

मीडिया सेल, एटीएस उ0प्र0

# पाकिस्तान से संचालित आतंकी फंडिंग नेटवर्क का भंडाफोड़

लखनऊ: 25 मार्च 2018

एटीएस को यह अभिसूचना मिली थी कि पकिस्तान से लश्कर-इ-तैय्यबा का एक आतंकी भारत में terrorfinancing का नेटवर्क संचालित कर रहा है।
इस जांच में कल 24 मार्च 2018 को 4 स्थानों पर (गोरखपुर, लखनऊ,प्रतापगढ़,रीवा ) तलाशी और पूछताछ की गयी तो बातें खुलने लगीं और तमाम साक्ष्य मिले.अभी तक 10 व्यक्ति गिरफ्तार किए गए है।.

**बरामदगी**

- **भारी मात्रा में एटीएम डेबिट कार्ड**
- **लगभग 42 लाख रू नगद**
- **06 स्वैप मशीन**
- **मैग्नेटिक कार्ड रीडर**
- **03 लैपटॉप**
- **मोबाइल फोन**
- **एक देशी पिस्टल व 10 कारतूस**
- **बड़ी संख्या में अलग-अलग बैंकों के पासबुक व चेकबुक**
- **कूटरचित प्रपत्र बनाने कि सामग्री**

**<u>कार्य प्रणाली</u>**

- पाकिस्तान से लश्कर-ए-तैय्यबा का व्यक्ति लाहौर से फ़ोन और इन्टरनेट द्वारा अपने network से सदस्यों से संपर्क में रहता है।
- वह सदस्यों को फर्जी नाम से अकाउंट खोलने के लिए बोलता था
- वह बताता था कि कितना धन किस खाते में डालना है
- भारतीय एजेंटों को कुछ प्रतिशत मिलता था
- पाकिस्तान से सिमबॉक्स के अवैध नेटवर्क द्वारा कॉल करना पाया गया (ATS पूर्व में ISI द्वारा संचालित इस रैकेट पर भी कार्रवाई करती रही है)

**<u>जांच:</u>**

- गिरफ्तार अभियुक्तों ने पाकिस्तान स्थित व्यक्तियों के लिए अपराध करना स्वीकार किया है।
- कुछ सोच रहे थे कि यह केवल लाटरीफ्रॉड का पैसा आता है, कुछ को स्पष्ट था कि यह आतंकी फंडिंग है, इसमें और जांच जारी है।
- मुख्य बरामदगी - 42 लाख नगद, फर्ज़ी खातों से सम्बंधित कार्ड, पासबुक, आदि, कार्ड का डाटा चोरी करने का सामान (मैग्नेटिक कार्ड रीडर,स्किमर)
- मोबाइल, लैपटॉप के डाटा extraction से पुख्ता साक्ष्य मिले हैं, और विश्लेषण से अधिक पर्तें खुल सकेंगी।
- 2 अभियोग थाना ATS पर पंजीकृत किए गए हैं, विवेचना ATS द्वारा की जाएगी।
- इनके समूह के तार नेपाल से भी जुड़ें है जिस सम्बन्ध में पूछ कि जा रही है।
- जिन खातों से पैसे का लेन-देन हुआ है उन संदिग्ध व्यक्तियों के खातों की जांच की जा रही है व पकिस्तान से निर्देश देने वाले व्यक्ति कि पहचान के प्रयास किये जा रहें है जिनसे तमाम अन्य तथ्य प्रकाश में आने कि सम्भावना है।

**<u>बयान IG ATS</u>**

मा मुख्य मंत्रीजी द्वारा ATS के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जिसके परिणाम स्वरूप ATS की तकनीकी क्षमताओं में गुणात्मक सुधार संभव हो सका है.यह खुलासा विकसित हुई क्षमताओं का परिणाम है.ऐसे नेटवर्क आतंकवाद का infrastructure है जिन्हें नष्ट करने के लिए हम और कड़े कदम उठाएंगे।

- गोरखपुर से गिरफ्तार एक संदिग्ध द्वारा अपना परिचय निखिल राय दिया गया जो जांच में असत्य पाया गया व उसकी पहचान मुशर्रफ़ अंसारी पुत्र स्व० युनुस अंसारी निवासी जनपद कुशीनगर के रूप में हुई। इसके साथी अपराधी भी इसे निखिल के रूप में ही जानते थे ,मुशर्रफ अंसारी के रोल की गहन जांच हो रहे है

**<u>अग्रिम कार्रवाई:</u>**

- यह धन किस -किस के पास गया, यह जांच होगी।
- बैंकों की ज़िम्मेदारी fake KYC खातों की रोकथाम करे,दोषी बैंक कर्मियों के विरुद्ध भी कार्रवाई होगी।
- अभियुक्तों को पुलिस रिमांड पर ले कर पूछताछ की जाएगी ताकि पूरा नेटवर्क और इनकी कार्य प्रणाली स्पष्ट हो सके।

**पुलिस टीम:**

श्रीराजेशसाहनी (अपर पुलिस अधीक्षक), श्री मनीष सोनकर (पुलिस उपाधीक्षक) की टीमों द्वारा यह नेटवर्क पकड़ा गया है।

---